PARVATHANENIBRAHMAIAH SIDDHARTHA COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE; VIJAYAWADA-10

(An autonomous college in the jurisdiction of Krishna University)

SEMESTER- III/IV **PAPER – III/IV**

TITLE OF THE PAPER: HINDI-III/IV

NO OF HOURS: 60 **CREDITS: 03**

WEF: 2021-22 **COURSE CODE: 22HINT01**

Cos:

1.दोहों के व्दारा विद्यार्थियोंमें समाज सुधार की भावना, मानव मूल्यों का विकास हो सकेगा।

2. हिंदी साहित्य के इतिहास के व्दारा हिन्दी भाषा और साहित्य की प्रमुखता से परिचित हो सकेंगे।

3. समाज कल्याण के विषयों को समझकर विद्यार्थिअपने ज्ञान का विकास कर सकेंगे।

4. समाज में हिन्दी भाषा के परिचित हो सकेंगे और हिन्दी भाषा का ज्ञानप्राप्तकर दूसरों से आसानी से संप्रेषित करने में सक्षम हो सकेंगे।

5.प्रयोजनमूलक हिन्दी प्राप्तकर सकेंगे और हिन्दी में पत्राचार का कौशल विकसित कर सकेंगे।

PARVATHANENIBRAHMAIAH SIDDHARTHA COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE; VIJAYAWADA-10

(An autonomous college in the jurisdiction of Krishna University)

SEMESTER- III/IV **PAPER – III/IV**

TITLE OF THE PAPER: HINDI-III/IV

NO OF HOURS: 60 **CREDITS: 03**

WEF: 2021-22 **COURSE CODE: 22HINT01**

SYLLABUS

I.**काव्य दीप**:

साखी- 1-10 - कबीरदास

बालवर्णन - सूरदास

मातृभूमि - मैथिलीशरण गुप्त

तोडती पत्थर - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

गीत फरोश - भवानी प्रसाद मिश्र

II.**हिन्दी साहित्य का इतिहास**:

काल विभाजन - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार

भक्ति काल : ज्ञानाश्रयी शाखा - कबीर

प्रेमाश्रयी शाखा - जायसी

III.**साधारण निबन्ध**:समाचार पत्र, पर्यावरण और प्रदूषण,

बेकारी की समस्या, कंप्यूटर

IV. **अनुवाद** :(हिन्दी से अंग्रेजी में बदलना तथा अंग्रेजी से हिन्दी में बदलना)

V.**प्रयोजनमूलकहिन्दी**: परिपत्र,कार्यालय ज्ञापन,राष्ट्र-भाषा हिन्दी

Recommended Books:

1.काव्य दीप- **SRI B.RADHA KRISHNA MURTHY**